STAR PLAY SCHOOL
Dear Parents,
Today's assignment

👉 written work done in hindi notebook
(वाक्य बनाओ- तीन अक्षर वाले शब्द)

👉 कविता
नमक का व्यापारी
👉 पठन - तीन और चार अक्षर वाले शब्द (शब्द ज्ञान pg no 36 & 40)

👉 orals
Evs- animal's home

Home Assignment

👉 Do the worksheet given below in the hindi notebook
👉 learn the spellings for tomorrow's dictation given belpw in picture (चार अक्षर वाले शब्द)
👉 learn the spellings of animal's home given below:
Hen- coop
Bird- nest
Horse- stable
Lion-den

Edited 4:04 pm

बुधवार

12/2/25 Revision DATE PAGE C.W

वाक्य बनाओ

1.) शब्द - रजत शब्द चख।

2.) सड़क - सड़क पर चल।

3.) कमल - रमन कमल पकड़।

4.) मटर - अमन मटर चख।

5.) कलश - नमन कलश पकड़।

12/2/25

Good!

12/2/25 Revision H.W.

Q1. वाक्य बनाओ।

1. टहल →

2. कलम →

3. भजन →

4. शहद →

5. मटर →

6. मगर →

Q2. नीचे दिए गए वर्णों को जोड़कर शब्द लिखो :

1. न + म + क = ________

2. न + य + न = ________

3. श + ह + र = ________

4. ब + र + फ = ________

5. इ + ध + र = ________

टमटम

अचकन

अदरक

शलगम

बरतन

खटमल

थरमस

अजगर

बरगद

वाक्य पढ़ो —

हलधर टमटम पर चढ़।

असलम अचकन पहन।

पनघट पर बरतन रख।

बनठन कर सरकस चल।

नटखट अजगर मत पकड़।

झटपट यह बरतन भर।

झटपट खटमल पकड़।

अनवर कसरत कर।

दशरथ अदरक चख।

बरगद पर मत चढ़।

वाक्य पढ़ो

READING

रमन उठ। इधर-उधर मत टहल। घर पर रह। अब हठ मत कर। भगत भजन कर। अमन कलम इस तरफ रख। रट-रट कर पढ़। रबड़ पर कलम मत रख। रतन घर चल कर पढ़। अकड़ कर मत चल। सबक समझ कर पढ़। अटक-अटक कर मत पढ़। मटक-मटक कर मत चल। सरल डगर पकड़ कर चल।

नमक का व्यापारी

नमक के व्यापारी के पास एक गधा था। वह व्यापारी रोज सुबह अपने गधे पर नमक की बोरियाँ लादकर आस-पास के गाँवो में नमक बेचने ले जाया करता था। आस-पास के गाँवों में जाने के लिए उसे कई नाले और छोटी-छोटी नदियाँ पार करनी पड़ती थीं।

एक दिन नदी पार करते समय गधा अचानक पानी में गिर पड़ा। इससे गधे के शरीर पर लदा हुआ ढेर सारा नमक पानी में घुल गया, और उसका बोझ हल्का हो गया।

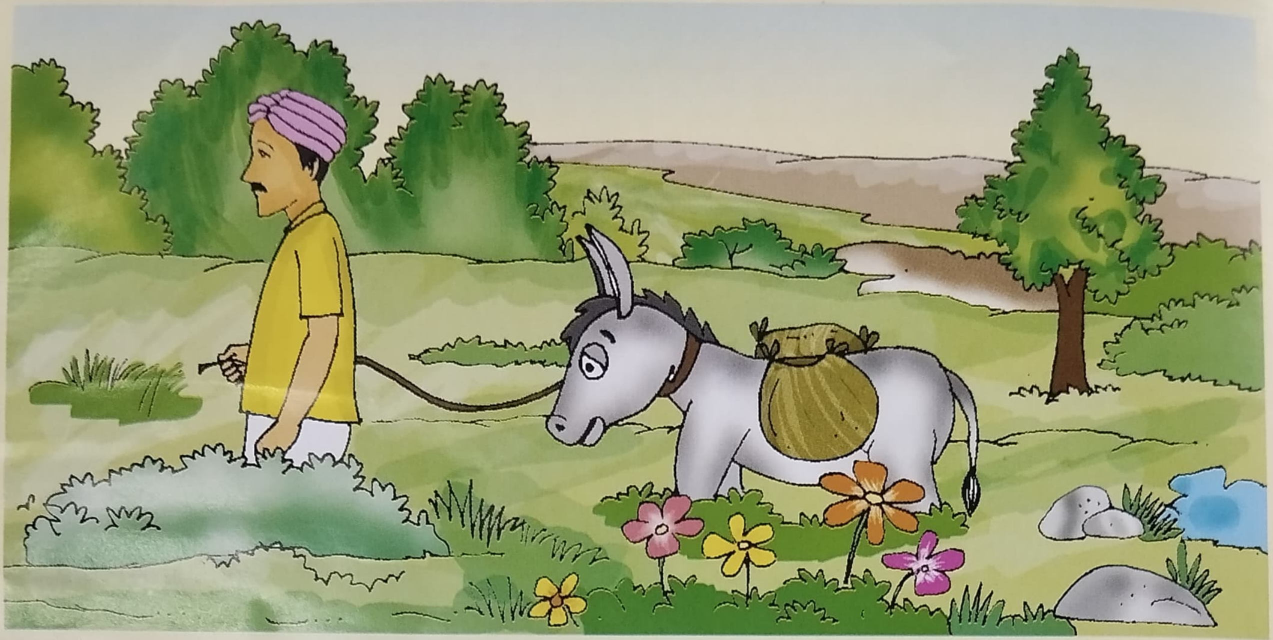

दूसरे दिन वह व्यापारी रोज़ की तरह गधे पर नमक की बोरियाँ लाद कर बेचने निकला गधा फिर जानबूझ कर पानी में बैठ गया और सारा नमक पानी में घूल गया। नमक के व्यापरी को गधे पर बहुत गुस्सा आया।

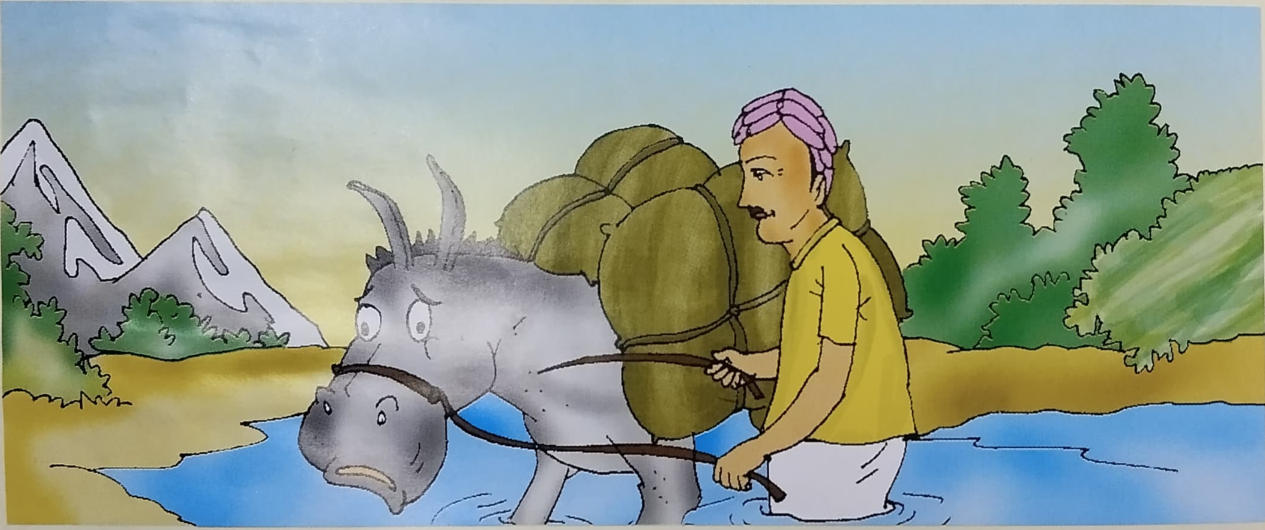

अगले दिन व्यापारी ने गधे पर रूई लाद दी गधे ने फिर वही तरकीब अपनाई। पर इस बार उल्टा ही हुआ। रूई के बोरो ने खूब पानी सोखा और गधे की पीठ पर बोझ पहले से कई गुना बढ़ गया। उस दिन के बाद से गधे ने पानी में बैठने की आदत छोड़ दी।

शिक्षा-मूर्ख सबक सिखाने से ही काबू में आते है।